पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.02.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9971467978 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-17 माद्य-2076 दयानन्दाब्द 197 01 फरवरी से 15 फरवरी 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.02.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 167वां वेबनार सम्पन्न

यज्ञ,योग, ध्यान से विश्व बंधुत्वता मजबूत होगी- विश्रुत आर्य महामंत्री, आर्य समाज,अमेरिका

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का अभियान तीव्र गति से चलाएगें –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 31 जनवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 43 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय आर्य महावेबिनार का आयोजन दिनांक 29,30 व 31 जनवरी को जूम पर ऑनलाइन किया गया।यह परिषद का कोरोना काल में 167 वां वेबिनार था। कार्यक्रम फेसबुक पर लाइव प्रसारण चलता रहा और परिषद के यूट्यूब चौनल आर्ययुवकपरिषदष व ष्आर्य युवा उदगोषष पर उपलब्ध हैं। वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी (आंनद धाम,हरिद्वार) ने यज्ञ से कार्यक्रम का शुभारंभ किया,उनके साथ 101 परिवारों ने अपने अपने घर पर एक साथ यज्ञ किया। अध्यक्षता करते हुए एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ अशोक कु चौहान ने कहा कि हमारे पास उच्च मूल्य, ज्ञान का भंडार है लेकिन हमें प्रस्तुत करना नहीं आया हमें विश्व पटल पर अपनी कार्य योजना देनी होगी भारतीय संस्कृति के गुण लाभ समझाने होंगे तभी विश्व का आर्य करण करने में सक्षम हो सकेंगे। आर्ष गुरुकुल नोएडा के प्राचार्य डॉ जयेन्द्र आचार्य ने कहा कि आज आर्य समाज को विश्व की क्या समस्याएं है ये जानने व उसका हल प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। अमेरिका आर्य समाज के महामंत्री विश्रुत आर्य ने कहा कि लोगों में भूख प्यास है,जानने की इच्छा है उस पर व्यवहारिक प्रयोग या प्रोजेक्ट बनाने की आवश्यकता है।आर्य समाज के सिद्धांतों का क्रियान्वयन करने की आर्य समाज की प्रासंगिकता है।उन्होंने कहा कि यज्ञ,योग व ध्यान को जीवन का अंग बनायें, जिससे हमारी आधारशिला मजबूत होगी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज के ज्वलंत मुद्दों का हल कर के आर्य समाज विश्व मे नेतृत्व प्रदान कर सकता है।साथ ही नई पीढ़ी को सुसंस्कारित करने को एक लक्ष्य बना कर चलना होगा। जिसे परिषद बखूबी निभा रहा है । आर्य समाज साउथ अफ्रीका के प्रधान डॉ राम बिलास बिजवास ने चलचित्र के माध्यम से साउथ अफ्रीका में आर्य समाज की कार्य विधि का परिचय दिया। मॉरिशस से प्रो. आर्यव्रती बुलॉकी, आर्य नेता आनन्द चौहान,मृदुला चौहान ने परिषद के 43वें वार्षिकोत्सव पर सभी को शुभकामनाएं प्रदान की। न्यूजीलैंड से उर्मिला सचदेवा ने वेद मंत्रों का सस्वर पाठ कर विश्वकल्याण की कामना की हरीश सचदेवा ने भी विचार रखे । केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के महामंत्री महेन्द्र भाई, उपाध्यक्ष यशोवीर आर्य,प्रवीण आर्य,,ओम सपरा,देवेन्द्र भगत,अजय सहगल,भानुप्रताप वेदालंकार, रामकृष्ण शास्त्री,स्वतंत्र कुकरेजा, नरेंद्र आहूजा विवेक,सौरभ गुप्ता, ईश आर्य,धर्मपाल आर्य ने भी मार्गदर्शन दिया। आचार्य संजीव रूप (बदायूं) ने तीनो दिन संगीतमय वेदकथा द्वारा सभी को वेद की ज्ञान गंगा से भाव विभोर कर दिया। गायिका संगीत आर्या श्गीतश,पुष्पा चुघ,प्रतिभा कटारिया,दीप्ति सपरा,किरण सहगल,कुसुम भंडारी,सुदेश आर्या,रविन्द्र गुप्ता,ईश्वर देवी आर्या(अलवर), जनक अरोड़ा,वीना वोहरा,सुदेश आर्या, प्रतिभा सपरा,कीर्ति खुराना,वंदना जावा,निताशा कुमार,संध्या पाण्डेय, मधु सहगल, विजय हंस,बिंदु मदान, डॉ रचना चावला,करुणा चांदना, वीरेन्द्र आहूजा,आदर्श मेहता आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीनो दिन आर्यो का महावेबनार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन सम्पन्न

युवाओं को जोड़ने के लिए वैदिक साहित्य को सरल बनाना आवश्यक –भुवनेश खोसला(प्रधान, आर्य समाज अमेरिका)

युवाओं में संस्कृति के प्रति लगाव लायेगे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार 30 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 43 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में द्वितीय दिवस अंतरराष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन का ऑनलाइन जूम पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईश आर्य (प्रभारी, पतंजली योग समिति हरियाणा) ने की व संचालन युवा विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने किया। मुख्य अतिथि अमेरिका आर्य समाज के प्रधान भुवनेश खोसला ने कहा कि नयी पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के लिए यह आवश्यक हो गया है कि हम वैदिक साहित्य,वेद मंत्रों व सत्यार्थ प्रकाश आदि ग्रन्थो को सरल भाषा में अनुवाद करवायें जिससे नयी पीढ़ी उसे पढ़ व समझ सके। कुछ ऐसे पाठय क्रम, पत्राचार कोर्स बनाने होंगे जिससे कम समय मे युवा अपनी संस्कृति से परिचित हो सके हमारे पास सर्वश्रेष्ठ ज्ञान है पर ठीक से प्रस्तुत नहीं कर पाते इसमें सुधार की आवश्यकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कृति हमारे प्राण हैं लेकिन युवा उससे विमुख होते जा रहे है यह चिंता की बात है आने वाली पीढ़ी को अपने महापुरुषों पर्व गर्व करना सिखायें व देशभक्ति की शिक्षा प्रदान करें। समाज में बढ़ता पाखंड अंधविश्वास अंधश्रद्धा पैदा कर रहा है जिससे सजक रहने की आवश्यकता है। सामुहिक आत्म हत्याएं बच्चों को बलि देना सभ्य समाज पर कलंक है, आर्य समाज के लोगों को समाज को सही दिशा देने व अंधविश्वास से बचाने का कार्य करना है। न्यूजीलैंड से हरीश सचदेवा ने कहा कि हम भारतीयों को इकट्ठा करके यज्ञ के द्वारा जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। कनाडा से राजू कपिला ने भी अपनी संस्कृति पर

गर्व करने व मिट्टी से जुड़े रहने का आह्वान किया।साउथ अफ्रीका आर्य समाज के प्रधान रामबिलास ने कहा कि महर्षि दयानंद की मान्यताएं सार्वभौमिक है पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य करना है। मॉरीशस आर्य समाज के प्रधान राम माधव ने भी बताया कि मॉरीशस में 250 आर्य समाज व शिक्षण संस्थान चल रहे हैं हम सभी भारत के मूल से जुड़े हुए हैं। युवा प्रवक्ता आस्था आर्या, नरेंद्र आहूजा विवेक (चंडीगढ़), आचार्य वीरेन्द्र विक्रम, दीप्ति सपरा, प्रतिभा कटारिया, यशोवीर आर्य, महेंद्र भाई,देवेन्द्र भगत,दुर्गेश आर्य,धर्मपाल आर्य,प्रवीण आर्य (गाजियाबाद),राजन रखेजा,कर्मवीर सूद,शुरूति आर्या, वंदना जावा,नरेश खन्ना आदि ने भी अपने विचार रखे। आचार्य संजीव रूप जी बदायूं की संगीत मय कथा का सभी ने आंनद लिया।प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में आर्य समाज सूर्य निकेतन से आर्य युवक–युवतियों ने भव्य व्यायाम प्रदर्शन कर रोमा चित कर दिया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 43वें वार्षिकोत्सव पर त्रि दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आर्य महा वेबिनार का शुभारंभ

संस्कृत और संस्कृति भारतीयता की आत्मा है –प्रेमा हंस (ऑस्ट्रेलिया)

महर्षि दयानंद ने नारी को समान अधिकार दिलाये –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार, 29 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 43वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय आर्य महावेबिनार का आयोजन जूम पर ऑनलाइन किया गया। यह परिषद का कोरोना काल में 159 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी (हरिद्वार) ने यज्ञ के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि महर्षि स्वामी दयानंद से पूर्व भक्ति के नाम पर अनेक आडम्बर हुआ करते थे किंतु स्वामी दयानंद ने भक्ति के सत्य मार्ग को यज्ञ के रूप में संसार के लिए प्रशस्त किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने नारी को पुरुष के समान अधिकार दिलवाया। स्त्री जाति के लिए उन्होंने शिक्षा के द्वार खोल दिए। आर्य समाज ने बाल विवाह, सती प्रथा जैसी कुरीतियां बंद करवाई। विधवाओं को पुनर्विवाह का अधिकार प्रदान कर आर्य समाज ने नारी सशक्तिकरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्य वक्ता वैदिक विदुषी प्रो. आयुषी राणा (मेरठ) ने कहा कि आज समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी है और देश ही नही विदेशों में भी भारत का नाम ऊंचा कर रही हैं। माता निर्माता होती है वो चाहे तो किसी को राम तो किसी को रावण भी बना सकती है इसलिए महिलाओं को शिक्षित करना वर्तमान परिस्थितियों में अनिवार्य है जिससे वे आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित कर सकती है। विशिष्ट अतिथि प्रो.आर्यवर्ती बुलॉके (डी ए वी कॉलेज, मॉरिशस) ने भारत व विदेशों में महिलाओं के वर्तमान नेतृत्व का वर्णन किया और कहा कि स्वामी दयानंद और आर्य समाज की शिक्षाओं के कारण ही आज महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त है। आर्य महिला सम्मेलन की मुख्य अतिथि के रूप में सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की संचालिका मृदुला चौहान ने कहा कि ऋषि देव दयानन्द ने महिलाओं के उत्थान में जो भूमिका निभाई इसके लिए उन्हें युगों युगों तक याद रखा जाएगा। अध्यक्षता करते हुए ऑस्ट्रेलिया से प्रेमा हंस ने कहा कि संस्कृत और संस्कृति भारतीयता की आत्मा है। संस्कृत समस्त भाषाओं की जननी है। विदेशों से ज्यादा भारत मे ही

बच्चो में संस्कारों का निर्माण हो सकता है, हम विदेशों में रहकर भी अपनी भारतीय संस्कृति का परचम फहरा रहे हैं। न्यूजीलैंड से उर्मिला सचदेवा ने भी वर्तमान संदर्भ में नारी की भूमिका पर विचार रखे। आर्य युवती परिषद की प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या ने कुशल संचालन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य, आचार्य महेंद्र भाई, डॉ सुषमा आर्या, कमलेश हसीजा, सौरभ गुप्ता ने भी मार्गदर्शन दिया। आचार्य संजीव रूप (बदायूं) ने संगीतमय वेदकथा द्वारा सभी को वेद की ज्ञान गंगा से भावविभोर कर दिया। गायिका संगीता आर्या गीत, पुष्पा चुघ, प्रतिभा कटारिया, विजय हंस, वीना वोहरा, बिन्दु मदान आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मदभगवद गीता में त्रिमार्ग की अवधारणा विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

शुक्रवार ,15 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मदभगवद गीता में त्रिमार्ग की अवधारणा विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रो. मनोज तंवर ने कहा की श्रीमद् भगवद गीता के अट्ठारह अध्याय के 700 श्लोकों में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग का विस्तृत मार्गदर्शन किया है।किसी भी धर्म–ग्रंथ में मार्ग की अवधारणा को इतनी सूक्ष्मता से दर्शाया नहीं गया जैसा कि भगवद गीता के माध्यम से दर्शाया गया है। सांसारिक मनुष्य का अस्तित्व शरीर, मन और बुद्धि से बना है। कर्म–भक्ति–ज्ञान इन तीनों मार्ग की गहन समझ और घनिष्ट दृढ़ता ही मनुष्य में योग की भूमिका का निर्माण करती है। गीता के सन्देश आज भी जीवन की चुनौतियों को सुलझाने में रामबाण है,आज के युग में गीता की महत्ता व प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है हमें उत्तम ग्रंथों का निरन्तर स्वाध्याय करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवती परिषद की प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्तमान जीवन में उत्पन्न कठिनाईयों से लडने के लिए मनुष्य को गीता में बताए ज्ञान की तरह आचरण करना चाहिए। इससे मनुष्य उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।

आंतरिक शान्ति मार्गदर्शक पुस्तक का विमोचन सम्पन्न

शनिवार 16 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में साहित्यकार अतुल सहगल की लिखी पुस्तक गाइड टू इनर वेलनेस का जूम पर ऑनलाइन विमोचन समारोह संम्पन्न हुआ । यह परिषद का कॅरोना काल में 152 वा वेबिनार था। लेखक अतुल सहगल ने बताया कि यह वेदों के शान्तिकरण के 28 वेदमंत्रों पर आधारित है । इसमें आंतरिक शांति कैसे प्राप्त करे पर सुंदर विवेचना की गई है। रूपा पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक हर वर्ग के लिए लाभकारी रहेगी। शिक्षा विद डॉ कृष्ण कुमार गौस्वामी,एडवोकेट डॉ अजय कुमार पांडेय,इग्नू के पूर्व उपकुलपति डॉ शशि भूषण अरोड़ा ने शुभकामनाएं दीं। अनिल आर्य ने संयोजन किया व ओम सपरा ने अध्यक्षता की।

नेताजी सुभाष जयंती पर आर्य समाज ने दी श्रद्धांजलि

युवाओं के प्रेरणा स्तम्भ है नेताजी सुभाष –रवि भारद्वाज (संपादक,एक्शन इंडिया)
अंडमान निकोबार में तिरंगा फहराया था –अशोक आर्य (संपादक,सत्यार्थ सौरभ)
आर्य समाज लाहौर ने किया था नेताजी का अभिनंदन–अशोक आर्य(संपादक,आर्यव्रत केसरी)

शनिवार 23 जनवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया।यह कोरोना काल मे परिषद का 156 वां वेबिनार था। एक्शन इंडिया पत्र समूह के संपादक रवि भारद्वाज ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस युवाओं के प्रेरणा स्रोत्र रहे उन्होंने आजादी की लड़ाई को आम जन से जोड़ने का कार्य किया।जिससे उसने विशाल क्रांति का रूप ले लिया। सत्यार्थ सौरभ(उदयपुर) के संपादक अशोक आर्य ने कहा कि 30 जून 1943 को ही नेताजी सुभाष ने अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में तिरंगा फहरा दिया था और स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी,विदेश में जाकर हिटलर से मिलना और आजाद हिंद फौज की स्थापना करना विस्मयकारी कार्य था जिसकी कल्पना भी मुश्किल है। आर्यवर्त केसरी (अमरोहा) के संपादक अशोक आर्य ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष का उल्लेखनीय योगदान रहा केवल चरखे तकली से आजादी नहीं मिली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पराक्रम दिवस घोषित करना सराहनीय कार्य है,वास्तव में नेताजी सुभाष के बिना आजादी का आंदोलन अधूरा रहेगा। पिछली सरकारों ने वीर क्रांतिकारियों की उपेक्षा की है और एक ही परिवार का गुणगान किया है आज की पीढ़ी को सही इतिहास व उसका मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।वीर अर्जुन के संपादक महाश्य कृष्ण ने आर्य समाज लाहौर में नेताजी का स्वागत किया व 10,000 रु की राशि भी भेंट की थी।नेताजी सुभाष भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के हीरो थे यह बात नई पीढ़ी को बतलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता हेमराज बंसल ने की उन्होंने कहा कि स्वदेशी राज सर्वोत्तम है यह उदघोष महर्षि दयानंद ने दिया था। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का अधिकतम योगदान रहा।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्रीय स्वाभिमान का दिन है गणतंत्र दिवस––साहित्यकार हरीश नवल
लालकिले पर तिरंगे का अपमान अक्षम्य अपराध–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 25 जनवरी 2021,केंद्रीय आर्य युवक परिषद और मित्र संगम पत्रिका के संयुक्त तत्वाधान में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन ष्काव्य गोष्ठीष का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 157 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि लालकिले पर तिरंगे का अपमान अक्षम्य अपराध है, राष्ट्रीय एकता,अखंडता,संप्रभुता को चुनोती देने वाले किसान नहीं हो सकते।आज नई पीढ़ी को देश की आजादी के स्वतंत्रता संग्राम को बतलाने व समझाने की आवश्यकता है जिससे वह आजादी का सही अर्थ समझ सकें।सबल और संस्कारित युवा शक्ति एक महान लोकतंत्र और गणतंत्र की असली शक्ति और संबल है।हमारा भारत देश विश्व का एक बहुत प्राचीन और महान अनुपम लोकतंत्र है इसकी रक्षा का संकल्प फिर से दुहराने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि साहित्यकार हरीश नवल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस दो हमारे राष्ट्रीय पर्व है इसकी रक्षा करना प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है। पूर्व मेट्रो पोलटेने मेजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि देश की आजादी में आर्य समाजियों ने सर्वाधिक योगदान दिया। ओम सपरा ने अपनी कविता ष मित्रो मन तो अधीर है,संतप्त मन से,आओ हम करें शहीदों को नमन ! निडर हो देशवासी,करें स्वयं पर गर्व,स्वार्थों का हम तभी कर सकेंगे हवन।ष सुनाकर वातावरण को भावुक कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ रवीन्द्र गुप्ता,प्रतिभा सपरा,डॉ अल्पना गोयल,दीप्ति सपरा के ओजस्वी गीत और सदाबहार मुक्तकों से हुआ। इस भव्य वेबिनार में मुंबई से वरिष्ठ फिल्म निर्माता,कवि,एक्टर श्री दिनेश लखनपाल,प्रो.कुलदीप सलिल,नरेन्द्र आहूजा विवेक, उमेश मेहता,कवि मोहन लाल शास्त्री,प्रतिभा कटारिया ने अपनी गजलों,गीतों से सभी श्रोताओं को राष्ट्रीय प्रेम की भावना से सराबोर कर दिया। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध हृदय रोग चिकित्सक और बिरजू महाराज कि शिष्या,वरिष्ठ नृत्यांगना डॉ नीलम वर्मा,रीता जयहिंद हाथरसी,नमिता राकेश, हरमिंदर पाल,मुंबई से प्रवीणा ठक्कर, बंगलुरू से माता चंद्र कांता जी, अनीता रेलहन,कमलेश हसीजा, जनक अरोरा,राज कुमार भंडारी,प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), सौरभ गुप्ता ने अपनी देश भक्ति से पूर्ण कविताएं सुनाई। सरदार हरभजन सिंह देयोल ने धन्यवाद किया।

156 वें जन्मदिन पर लाला लाजपतराय को कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

लाला लाजपत राय के बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम में नयी ऊर्जा दी –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

गुरुवार, 28 जनवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष156 वें लाला लाजपतराय जन्मोत्सव पर जूम पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया।कोरोना काल में परिषद का 158 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के बलिदान से स्वतंत्रता आंदोलन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ और पंजाब के हजारों युवक आंदोलन में कूद पड़े।लाला जी का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर जिले के धूदिकी गांव में हुआ था।वे युवा अवस्था में आर्य समाज के आंदोलन से जुड़ गए।लाला लाजपत राय आजादी के मतवाले ही नहीं,बल्कि एक महान समाज सुधारक और महान समाजसेवी भी थे।यही कारण था कि उनके लिए जितना सम्मान गांधीवादियों के दिल में था,उतना ही सम्मान उनके लिए भगतसिंह और चन्द्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों के दिल में भी था। स्वामी दयानन्द सरस्वती के अनुगामी लाला लाजपत राय ने आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया।आर्य समाज आंदोलन की पंजाब में उस समय लहर थी।स्वामी दयानंद जी के देहावसान के बाद उन्होंने आर्यसमाज के कार्यों को पूरा करने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया।आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा उनके बलिदान से प्रेरणा ग्रहण करें। मुख्य अतिथि कालका पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ अंजू मेहरोत्रा ने कहा कि लाला लाजपतराय का व्यक्तित्व एक क्रांतिकारी नेता का रहा,अपने तेजस्वी भाषणों से भारत की जनता में अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने के लिए जोश फूंकने वाले लाला लाजपतराय का व्यक्तित्व अंग्रेजी हुकूमत के लिए हमेशा सिरदर्द बना रहा। समारोह अध्यक्ष डॉ रचना चावला ने परिषद द्वारा निरंतर इस विकट कोरोना काल को अवसर में बदल कर 158 वेबिनरों का कुशल आयोजन कर सभी को बौद्धिक,शारीरिक व आध्यात्मिक रूप से सशक्त करने के लिए बधाई दी। परिषद के प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि लाला लाजपत राय ने पंजाब में श्दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेजश की स्थापना करने लिए अथक प्रयास किये। गायिका करुणा चांदना,दीप्ति सपरा,किरण सहगल,रविन्द्र गुप्ता,प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा कटारिया,जनक अरोड़ा,मृदुला अग्रवाल,वीना वोहरा,चन्द्रकान्ता आर्या,ईश्वर देवी आर्या,वेदिका आर्या,आशा आर्या,अनिता रेलन,उर्मिला आर्या,कुसुम आर्या,करुणा चांदना,सरिता डाबर,वीरेन्द्र आहूजा आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वैदिक सिद्वांत सर्वोपरि विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

वैदिक सिद्धान्तों पर चलकर ही विश्व का कल्याण –आचार्य विजयभूषण आर्य

वीरवार, 21 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में वैदिक सिद्धान्त सर्वोपरि विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 155 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजयभूषण आर्य ने कहा की वैदिक मान्यताएं सर्वोपरि है क्योंकि आर्य जन निराकार ईश्वर, कर्म के आधार पर आश्रम व्यवस्था, त्रैतवाद का सिद्धान्त, कर्मफल सिद्धान्त, गणित ज्योतिष आदि मान्यताओं को मानते है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा बताए गए संस्कार विधि में वर्णित सोलह संस्कारों से ही मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बन सकता है। आर्ष ग्रंथों के पठन पाठन से ज्ञात होता है कि वैदिक संस्कृति कितनी महान और वैज्ञानिक है। हम सभी को आर्ष ग्रंथों का स्वाध्याय समय समय पर करते रहना चाहिए और समाज मे बढ़ते पाखण्ड अंधविश्वास से बचना चाहिए ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ने कहा कि आर्य समाज की स्थापना सत्य और असत्य पर विचार करने के लिए की गई थी, क्या वेदानुकूल है क्या नही है। एक प्रकार से यह सत्य–सनातन–वैदिक–धर्म की पुनर्स्थापना थी। जिसका श्रेय महर्षि दयानन्द सरस्वती को जाता है। इससे वैदिक धर्म व सत्य की रक्षा हुई व संसार के लोगों को सत्याचरण व धर्म–अर्थ–काम–मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग मिला। इस लाभ की किसी अन्य मत से कोई साम्यता या बराबरी नहीं हो सकती । महर्षि दयानन्द के आगमन व आर्य समाज की स्थापना होने से धर्म सम्बन्धी विषयों के चिन्तन, विचार, प्रचार, कर्मकाण्ड आदि पर नई सोच ने जन्म लिया। यह विचार करने की व निर्णय लेने की शक्ति ही सच्चा मानव बनाती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज, वैदिक धर्म का पूरक एवं प्रभाव शाली अंग हैं, इसके बिना वेदों की रक्षा व उनके प्रचार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने महर्षि दयानंद के अनन्य भक्त व शास्त्रार्थ महारथी पंडित रामचन्द्र देहलवी की पुण्यतिथि व आजाद हिन्द फौज के संगठनकर्ता वीर क्रान्तिकारी राज बिहारी बोस की जयंती पर परिषद की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किये। परिषद के कर्मठ कार्यकर्ता राहुल आर्य के जन्मदिन पर यज्ञ कर शुभकामनाएं दी गई।

354 वीं जयंती पर गुरु गोबिंद सिंह जी को किया नमन

गुरु गोबिन्द सिंह जी हिन्दू धर्म के रक्षक बन कर आये –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

जीवात्मा को अपने कर्मो से आयु, जन्म व भोग मिलता है –आचार्य चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर)

मंगलवार,19 जनवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती व आयु के पांच स्वरूप विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह परिषद का कोरोना काल मे 154 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर) ने कहा कि मानव जीवन में आयु का विचार,मंथन और जिज्ञासा का होना स्वाभाविक है।मेरे शरीर की कितनी आयु है?क्या आयु निश्चित है ? क्या मानव अपनी आयु घटा या बड़ा सकता है?आयु के संबंध में शास्त्रों का क्या संदेश है? मानव अपनी आयु कैसे बढ़ा सकता है?आयु के पाँच स्वरूप क्या हैं? ऐसे अनेक प्रश्नों का सरल,सुबोध और समुचित संप्रेरक समाधान अपनी ओजस्वी वाणी में आचार्य जी ने किया। महर्षि पतंजलि के योगदर्शन के एक सूत्र की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक जीवात्मा को अपने कर्म विपाक से जन्म(जाति),आयु और भोग प्राप्त होता है।भर्तृहरि ने आयु का वर्गीकरण किस प्रकार जागृत, स्वप्न,बाल,युवा,वृद्ध,रोग,सेवा आदि में कैसे किया है।इसकी उचित व्याख्या की है।वेदों में आयु से संबंधित मंत्रों की सारगर्भित विवेचना की।आचार्य जी ने संख्यात्मक आयु,कार्यात्मक आयु,प्रसन्नात्मक आयु,सुखात्मक आयु और आनन्दात्मक आयु की हृदयस्पर्शी पंचरूपात्मक व्याख्या को सुनकर श्रद्धालु श्रोतागण आत्मविभोर हो रहे थे।आचार्य जी ने अपनी सरस वाणी में रामायण, भगवद् गीता के पावन प्रसंगों के साथ महर्षि दयानन्द सरस्वती आदि शंकराचार्य,स्वामी विवेका नन्द आदि महापुरूषों के जीवन की प्रेरक घटनाओं,कार्यों और उपकारों का मनोहारी वर्णन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने हिन्दू धर्म रक्षक गुरु गोविंद सिंह जी की 354 वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी एक महान स्वतंत्रता सेनानी रहे साथ ही उन्हें कविताओ की भी रूचि थी। इनके त्याग,बलिदान व वीरता से ही मुगल अत्याचारों का मुकाबला हो सका और हिंदुओ की रक्षा हो सकी। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष पं मायाप्रकाश त्यागी(गाजियाबाद) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि गुरू गोविंद सिंह सिखों के दसवें गुरु थे।उन्होंने ही आदिग्रंथ साहिब को गुरु की गद्दी दी थी। गुरु गोविंद सिंह ने ही खालसा पंथ की स्थापना कर सिखों को पंच ककार दिये।वे साहस और शौर्य के प्रतीक होने के साथ ही विद्वानों के भी संरक्षक थे।

घुटनों के दर्द विषय पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

दैनिक हल्का व्यायाम अत्यंत आवश्यक –डॉ. रमाकान्त गुप्ता

रविवार ,17 जनवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्घुटनों का दर्द विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया।यह परिषद का कॅरोना काल में 153वां वेबिनार था। अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. रमाकान्त गुप्ता(पूर्व विभागाध्यक्ष,हिन्दू राव अस्पताल) ने श्घुटनों के दर्द पर प्रकाश डालते हुए कहा की घुटने के दर्द के प्रमुख कारणों में से कुछ पुरानी चोट,यांत्रिक समस्या और गठिया की होती है । खेल कूद के दौरान चोट के कारण घुटने में दर्द दृ घुटने में चोट लगने से हड्डियों, उपास्थि, लिगामेंट्स, टेंडन और तरल पदार्थ की थैली या बर्से को गंभीर नुकसान हो सकता है। उन्होंने बताया कि सामान्य अभ्यासों से,प्रतिदिन आधा घंटा अपने शरीर पर मेहनत करके इस दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।सरसों के तेल का प्रयोग हमारे घरों में अक्सर खाना बनाने के लिए किया जाता है। घरेलू उपचार के रूप में सरसों का तेल कई प्रकार की बीमारियों को ठीक करने में प्रभावी रूप से अपना असर दिखाता है। जबकि घुटनों में होने वाले दर्द को ठीक करने के लिए भी सरसों के तेल में चमत्कारिक गुण देखे गए हैं । दैनिक हल्का व्यायाम, भ्रमण स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ने कहा कि कुछ समय पहले तक जहां बढ़ती आयु में घुटने के दर्द की समस्या उत्पन्न होती थी, वहीं वर्तमान में, युवा वर्ग के लोग भी इस तरह के दर्द की शिकायत करते हैं। वैसे तो घुटने में दर्द की समस्या आम मानी जाती है। लेकिन वास्तव में यह काफी तकलीफ देह हो सकती है। इस स्थिति में लोग अक्सर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन आप बिना दवाइयों के भी कुछ प्राकृतिक उपाय अपनाकर इस घुटने के दर्द से राहत पा सकते हैं जैसे– सूर्य की किरणों के सामने बैठने,हरी सब्जियों के सेवन व योगाभ्यास के माध्यम से दर्दो से राहत पाई जा सकती है। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रो.विट्ठल राव आर्य(हैदराबाद) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मनुष्य यदि 24 घंटों में से 1 घंटा भी यदि अपने सेहत पर नही लगा सकता तो उसका जीवन व्यर्थ है क्योंकि ये शरीर ही मनुष्य का सच्चा साथी है यह कॅरोना ने सिद्ध कर दिया है।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970